Workshop on Cyber Security

News : 28.09.2018

हकेंविवि में साइबर सिक्योरिटी पर कार्यशाला का आयोजन

महिलाओं को अपने अधिकारों का होना चाहिए ज्ञान

■ समस्याओं व जिज्ञासाओं के विषय में विशेषज्ञों से की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महिलाओं के प्रति बढ़ते साइबर अपराधों की समस्या को देखते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में छात्राओं व शैक्षणिक व शिक्षणेत्तर महिलाकर्मियों के लिए विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने इस कार्यशाला को मौजूदा वक्त की मांग बताते हुए कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों का ज्ञान होना चाहिए। अवश्य ही प्रतिभागियों को इस कार्यशाला के माध्यम से साइबर अपराधों बचने व उनसे निबटने का मार्ग प्राप्त हुआ होगा। विश्वविद्यालय के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा शैक्षणिक खंड तीन में आयोजित इस कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के तौर पर साइबर पीस फाउंडेशन नई दिल्ली के पुरेंदु सिंह व जेनिस वर्गीस शामिल हुए। उन्होंने छात्राओं, शिक्षिकों व महिला कर्मचारियों को बताया कि किस तरह से साइबर क्राइम से निबट सकती है। यहां बता दें कि साइबर पीस फाउंडेशन राष्ट्रीय महिला आयोग के साथ भी महिलाओं को साइबर सिक्योरिटी के विषय में जागरूक करती है और उन्हें साइबर अपराधों से बचाने के लिए कार्य करती है। विश्वविद्यालय के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की संयोजक डा. रेनू यादव व सूचना वैज्ञानिक विनीता मलिक ने बताया कि डिजीटल शक्ति कार्यशाला नामक इस आयोजन में भारी संख्या में छात्राओं, शिक्षिकाओं व महिला कर्मचारियों ने हिस्सा लिया और उन्होंने खुलकर अपनी समस्याओं व जिज्ञासाओं के विषय में विशेषज्ञों से चर्चा की। इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. राजेश मलिक ने साइबर सिक्योरिटी के विषय में कानूनी जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया और आयोजन के दौरान प्रो. सारिका शर्मा ने भी प्रतिभागियों के समक्ष अपने विचार व्यक्त किए।

महेंद्रगढ़। हकेंविवि में कार्यशाला को संबोधित करते विशेषज्ञ साइबर पीस फाउंडेशन नई दिल्ली के पुरेंदु सिंह। फोटो : हरिभूमि

कार्यशाला • महिलाओं को कार्यक्रम में दी गई जानकारी, कहा- अपने अधिकारों का ज्ञान होना चाहिए

महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ की ओर से हकेंवि में साइबर सिक्योरिटी पर कार्यशाला आयोजित

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

महिलाओं के प्रति बढ़ते साइबर अपराधों की समस्या को देखते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में छात्राओं व शैक्षणिक व शिक्षणेत्तर महिलाकर्मियों के लिए विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कार्यशाला को मौजूदा वक्त की मांग बताया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों का ज्ञान होना चाहिए। प्रतिभागियों को इस कार्यशाला के माध्यम से अवश्य ही साइबर अपराधों बचने व उनसे निबटने का मार्ग प्राप्त हुआ होगा।

विवि के महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ द्वारा शैक्षणिक खंड तीन में आयोजित कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के तौर पर साइबर पीस फाउंडेशन नई दिल्ली के पुरेंदु सिंह व जेनिस वर्गीस शामिल हुए। उन्होंने छात्राओं, शिक्षकों व महिला कर्मचारियों को बताया कि किस तरह से साइबर क्राइम से निपट सकती है। यहां बता दें कि साइबर पीस फाउंडेशन राष्ट्रीय महिला आयोग के साथ भी महिलाओं को साइबर सिक्योरिटी के विषय में जागरूक करती है और उन्हें साइबर अपराधों से बचाने के लिए कार्य करती है। विवि के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. रेनू यादव व सूचना वैज्ञानिक विनीता मलिक ने बताया कि डिजिटल शक्ति कार्यशाला नामक इस आयोजन में भारी संख्या में छात्राओं, शिक्षिकाओं व महिला कर्मचारियों ने हिस्सा लिया और समस्याओं व जिज्ञासाओं के विषय में विशेषज्ञों से चर्चा की। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. राजेश मलिक ने साइबर सिक्योरिटी के विषय में कानूनी जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया और आयोजन के दौरान प्रो. सारिका शर्मा ने भी प्रतिभागियों के समक्ष अपने विचार व्यक्त किए।

साइबर सिक्योरिटी पर कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़ । साइबर अपराधों की समस्या को देखते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में छात्राओं, शैक्षणिक और शिक्षणेत्तर महिला कर्मियों के लिए विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आरसी कुहाड़ ने इस कार्यशाला को मौजूदा वक्त की मांग बताते हुए इसके आयोजन को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों का ज्ञान होना चाहिए। अवश्य ही प्रतिभागियों को इस कार्यशाला के माध्यम से साइबर अपराधों बचने और उनसे निपटने का मार्ग प्राप्त हुआ होगा।

विश्वविद्यालय के महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ द्वारा शैक्षणिक खंड तीन में आयोजित इस कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के तौर पर साइबर पीस फाउंडेशन, नई दिल्ली के पुरेंद सिंह और जेनिस वर्गीस ने बताया कि किस तरह से साइबर क्राइम से निबट सकती है। यहां बता दें कि साइबर पीस फाउंडेशन राष्ट्रीय महिला आयोग के साथ भी महिलाओं को साइबर सिक्योरिटी के विषय में जागरूक करती है और उन्हें साइबर अपराधों से बचाने के लिए कार्य करती है। विश्वविद्यालय के महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. रेनू यादव व सूचना वैज्ञानिक विनीता मलिक ने बताया कि डिजिटल शक्ति कार्यशाला नामक इस आयोजन में भारी संख्या में छात्राओं, शिक्षिकाओं व महिला कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।

महिलाओं को बताए साइबर अपराध से निपटने के तरीके

कार्यशाला को संबोधित करते पुरेंदु सिंह ● जागरण

जागरण संवाददाता, महेंद्रगढ़ : महिलाओं के प्रति बढ़ते साइबर अपराधों की समस्या को देखते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में छात्राओं व शैक्षणिक व शिक्षणोत्तर महिलाकर्मियों के लिए विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आरसी कुहाड़ ने इस कार्यशाला को मौजूदा वक्त की मांग बताते हुए इसके आयोजन को आवश्यक बताया और कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों का ज्ञान होना चाहिए उन्हें अपने हर अधिकार का ज्ञान होना चाहिए। विश्वविद्यालय के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा शैक्षणिक खंड तीन में आयोजित इस कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के तौर पर साइबर पीस फाउंडेशन, नई दिल्ली के पुरेंदु सिंह व जेनिस वर्गीस शामिल हुए और उन्होंने छात्राओं, शिक्षिकों व महिला कर्मचारियों को बताया कि किस तरह से साइबर क्राइम से निपट सकती है।

विश्वविद्यालय के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. रेनू यादव व सूचना वैज्ञानिक विनीता मलिक ने बताया कि डिजीटल शक्ति कार्यशाला नामक इस आयोजन में भारी संख्या में छात्राओं, शिक्षिकाओं व महिला कर्मचारियों ने हिस्सा लिया और उन्होंने खुलकर अपनी समस्याओं व जिज्ञासाओं के विषय में विशेषज्ञों से चर्चा की।

इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रोफेसर राजेश मलिक ने साइबर सिक्योरिटी के विषय में कानूनी जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया और आयोजन के दौरान प्रोफेसर सारिका शर्मा ने भी प्रतिभागियों के समक्ष अपने विचार व्यक्त किए।